मूल्य 1 रु.
वर्षः 11 - अंक : 219, मुंबई, मंगलवार, 19 अक्टूबर, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

ईडी और सीबीआई नहीं गिरा सकती सरकार

मुंबई। सत्ताधारी नेताओं और मंत्रियों के खिलाफ जारी ईडी और सीबीआई की कार्रवाई से जहां महाविकास आघाड़ी के कुछ नेताओं में डर का माहौल है वहीं राकांपा प्रमुख शरद पवार ने उन्हें ढांढस बंधाते हुए कहा है कि ईडी और सीबीआई की कारवाई से सरकार को कोई फर्क नहीं पड़ेगा। यह सरकार पूरे पांच साल तक चलेगी। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

किरण गोसावी पर ठाणे में दर्ज हुआ एक और केस, फरार चल रहे उसके साथी को पुणे पुलिस ने पकड़ा

मुंबई। मुंबई क्रूज ड्रग्स केस में NCB की ओर से गवाह बने किरण गोसावी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। महाराष्ट्र पुलिस ने गोसावी के खिलाफ एक और केस दर्ज किया है। ठाणे के कलवा पुलिस स्टेशन में दर्ज इस केस में गोसावी पर विदेश में नौकरी लगवाने के नाम पर एक युवक से तीन लाख की ठगी का आरोप है। आर्यन खान की गिरफ्तारी से पहले उनके साथ सेल्फी लेकर गोसावी चर्चा में आये थे। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

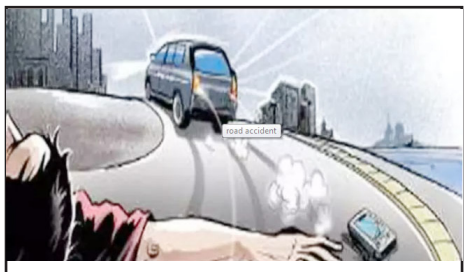

मुंबई-पुणे एक्सप्रेस वे पर भीषण सड़क हादसा, आपस में टकराईं 7 गाड़ियां, 3 लोगों की मौके पर ही मौत

मुंबई। महाराष्ट्र के मुंबई पुणे एक्सप्रेसवे पर सुबह तकरीबन 5:30 बजे के आसपास एक दर्दनाक सड़क ऐक्सिडेंट में 3 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी गई है। यह दुर्घटना खंडाला घाट के पास हुआ है। जानकारी के मुताबिक इस हादसे में 7 गाड़ियां एक दूसरे से आपस में बुरी तरह से टकरा गई। हालांकि इस दुर्घटना में 6 लोगों को सुरक्षित बचाया गया है। इस दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों और कुछ वहां चालकों ने गाड़ियों में फंसे घायलों को सुरक्षित बाहर निकालने में पुलिस की मदद की। इस सड़क दुर्घटना में घायलों को नजदीकी में अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। खंडाला घाट पर अक्सर वाहनों को सड़क दुर्घटना का शिकार होना पड़ता है। कई बार खतरनाक मोड़, धुंध और तेज रफ़्तार की वजह से यह एक्सीडेंट होते हैं।

रुलाने लगा प्याज, टमाटर हुआ लाल, अनाज की कीमतों में भी उबाल

मुंबई। मॉनसून की वजह से बर्बाद हुई फसलें और डीजल-पेट्रोल की बढ़ती कीमतों से महंगाई की मार मुंबईकरों पर भी पड़ने लगी है। हर परिवार में रोज इस्तेमाल होने वाली सब्जियों की कीमतें सातवें आसमान पर दिखाई दे रही हैं, जिससे गृहणियों का बजट गड़बड़ा गया है। महंगाई की इस कोढ़ में घरेलू गैस की बढ़ी कीमतों ने खाज का काम किया है। खुदरा बाजारों में प्याज जहां 50 से 60 रुपए तक पहुंचकर गरीबों के आंसू निकाल रहा है तो टमाटर भी लाल होकर 60 से 70 रुपए तक पहुंच गया है। महंगाई की इस दौड़ में आलू ने भी रफ्तार बढ़ा दी है, जिससे उसका मीटर भी 30 से 35 रुपए तक हो गया है। फूल गोभी और पत्ता गोभी भी 80 रुपए के पार हो गए हैं। इसी तरह से सभी सब्जियों की कीमतों में 25 से 30 रुपए प्रति किलो का उछाल आया है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

यूपी में बेमौसम बारिश का कहर छह लोगों की मौत बेमौसम बारिश से फसलें हुई बर्बाद

संवाददाता /अरमान उलहक

यूपी। मानसून की विदाई एक सप्ताह बाद रविवार और सोमवार को अचानक तेज आंधी और बारिश ने उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में जमकर कहर बरपाया। आकाशीय बिजली गिरने और बेमौसम बारिश के कारण हादसों में दो मासूमों सहित छह लोगों की दर्दनाक मौत हो गयी। जगह जगह पेड़ गिरने और आंधी बारिश और जलभराव से लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ी। वहीं धान और बाजरे एवम आलू की फसलों को यूपी में करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ है। रविवार और सोमवार को पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में जमकर बारिश ने कहर ढाया। यूपी की राजधानी लखनऊ सहित मेरठ मथुरा, मुरादाबाद, सम्भल अमरोहा, आगरा, मुजफ्फरनगर, सहित पूर्वी मध्य और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अनेकों जिलों में तेज आंधी के साथ जमकर बेमौसम बारिश हुई। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

टीकाकरण की प्रशंसा

भारत के टीकाकरण अभियान की प्रशंसा स्वागतयोग्य होने के साथ ही पूरी दुनिया के लिए अनुकरणीय भी है। विश्व बैंक के अध्यक्ष डेविड मलपास ने शनिवार को वाशिंगटन में भारतीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भेंट के दौरान कोरोना वायरस बीमारी के खिलाफ सफल टीकाकरण अभियान के लिए भारत को बधाई दी है। गौर करने की बात है कि भारत 100 करोड़ खुराक के महत्वपूर्ण पड़ाव को पार करने वाला है। कोरोना खुराक के मामले में भारत महज चीन से ही पीछे है। चीन के आंकड़ों पर अगर विश्वास किया जाए, तो वहां दो अरब से ज्यादा खुराक दी जा चुकी है। अगर संख्यात्मक तुलना करें, तो भारत टीकाकरण में अमेरिका से दो गुना से भी बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। इस मोर्चे पर बाकी देश भारत से बहुत पीछे है। भारत ने अपनी आबादी को ध्यान में रखते हुए टीकाकरण के मोर्चे पर बेहतरीन काम किया है। टीकाकरण भारत में जिस तरह की चुनौती था, उसे देखते हुए यह पड़ाव बहुत उल्लेखनीय है और विश्व बैंक की ओर से अगर भारत की तारीफ हो रही है, तो हमें इस दिशा में और प्रेरित होकर काम करना चाहिए।

अब जरूरी है कि वैक्सीन उत्पादन और वितरण में भारत की अंतरराष्ट्रीय भूमिका का विस्तार हो। भारत की ख्याति एक वैक्सीन उत्पादक देश के रूप में है और भारत ने कोरोना वैक्सीन के मामले में अपनी आबादी का टीकाकरण करने के लिए दुनिया के दूसरे देशों को वैक्सीन देने का काम रोक रखा है। हालांकि, अब हम ऐसी स्थिति में पहुंच रहे हैं कि भारत सरकार कभी भी कोरोना वैक्सीन का निर्यात शुरू कर देगी। भारत की अपनी कोवैक्सीन को दुनिया के सात देशों ने मंजूरी दे रखी है। हमें अपने वैक्सीन के निर्यात के लिए कोशिशें ज्यादा तेज करनी चाहिए। विशेष रूप से अफ्रीका के देश टीकाकरण में काफी पिछड़ गए हैं। वहां ऐसे देश भी हैं, जहां न के बराबर टीकाकरण हुआ है, अतः भारत को इन देशों के लिए उत्पादन बढ़ाना चाहिए। इनमें से अनेक देश भारत के भरोसे ही बैठे होंगे, इनमें कुछ देश ऐसे भी हैं, जिन्हें भारत पहले कुछ वैक्सीन दे चुका है। भारत ने अप्रैल के महीने में किसी भी देश को टीका देने से मना कर दिया था, क्योंकि अप्रैल में देश में कोरोना के मामले बहुत तेजी से बढ़ने लगे थे। गौर करने की बात है कि 9 मई को जब भारत में कोरोना मामले रिकॉर्ड स्तर पर दर्ज हुए थे, उसकी तुलना में अब महज चार प्रतिशत मामले ही दर्ज हो रहे हैं। बेशक, कोरोना से सफल मुकाबले में टीकाकरण का योगदान सबसे खास है। भारत में लगभग 70 प्रतिशत आबादी को कम से कम एक खुराक मिल चुकी है और लगभग 30 प्रतिशत आबादी को दोनों खुराक। असर यह है कि भारत के दैनिक कोविड-19 संक्रमण में गिरावट आ रही है और बीते शनिवार को महज 15,981 नए मामले सामने आए हैं। भारत ने जिस तरह से टीकाकरण किया है और जिस तरह से अपनी अर्थव्यवस्था को संभाल रहा है, उससे विश्व बैंक का भारत के प्रति विश्वास बढ़ा है। भारत को टीकाकरण में और तेजी लाने पर ध्यान देना चाहिए। बच्चों के टीकाकरण पर सावधानी से काम करना होगा। हम दुनिया में भले कुछ आगे दिख रहे हों, लेकिन अपने स्तर पर हमारी सत्तर प्रतिशत यात्रा अभी शेष है, तो हमें मंजिल की ओर तेज चलना ही होगा।

हिंदी को बैसाखी की दरकार नहीं

भारतीय भाषाओं में एकता का जो सूत्र संस्कृत के जरिये नजर आता है, वही सूत्र आज हिंदी के रूप में समूचे भारतीय भाषिक परिदृश्य को जोड़े हुए है...

इस देश के किसी भी हिस्से में रहनेवाला व्यक्ति अगर यह कहता है कि 'यू नो, हिंदी में थोड़ा हाथ वीक है' तो मान लीजिए, वह झूठ बोल रहा है। जैसी भाषा में वह खुद को हिंदी का विपन्न बता रहा है, दरअसल उससे भी बेहतर हिंदी लिख-बोल सकता है। हिंदी की स्वीकार्यता को लेकर विवाद चलते रहे हैं और चलते रहेंगे, मगर मनोरंजन से लेकर व्यापार तक हिंदी के बिना किसी का काम नहीं चलता।

देश के किसी व्यक्ति को अलग से हिंदी सीखने की जरूरत नहीं है। हिंदी संपर्क भाषा है और संचार माध्यमों के जरिये सब ओर पसरी हुई है। किसी तमिल या तेलुगू भाषी के हिंदी शिक्षक बनने पर कोई रोक नहीं है। भाषाएं ही रोजगार का जरिया हैं। पूर्वी क्षेत्रों से निरंतर महाराष्ट्र, पंजाब जानेवाले बहुत से मजदूर अब वहीं बस गये हैं। यह जानना चाहिए कि इसमें वहां की भाषा मददगार बनी या नहीं।

हिंदी को किसी सरकारी बैसाखी की जरूरत नहीं है। दुनियाभर के आइटी विशेषज्ञों का ध्यान हिंदी समेत अनेक भारतीय भाषाओं पर है। हिंदी भारत की ही नहीं, दुनियाभर के भारतवंशियों व हिंदुस्तानियों की संपर्क भाषा है। इसका अहसास भारत में कम, विदेश जाने पर ज्यादा होता है। विश्व में हिंदी बोलनेवालों की संख्या करीब चौंतीस करोड़ बतायी जाती है। ये संख्या उन इलाकों की है, जहां विशुद्ध हिंदीभाषी रहते हैं। व्यावहारिक तौर पर ऐसा नहीं है।

हिंदी का महत्व उसे बोलने और समझनेवालों की संख्या से जुड़ा है। भारत जैसे बहुभाषी देश में चीन वाला पैमाना लागू नहीं हो सकता, जहां करीब एक अरब से भी ज्यादा लोग चीनी बोलते हैं। मगर वहां बहुभाषिकता नहीं है। भारत के बहुभाषिक होने से हिंदी जाननेवालों की संख्या एक अरब से ज्यादा हो सकती है। दुनिया में इससे भी ज्यादा। मौजूदा पैमानों पर अभी हिंदी बोलनेवालों की संख्या करीब 40 करोड़ है और यह दुनिया में पांचवे क्रम पर है।

बंगाल, तमिलनाडु, बर्मा से लेकर अफगानिस्तान, उज्बेकिस्तान, ताजिकिस्तान, तातारिस्तान, कजाखस्तान, तुर्कमेनिस्तान समेत न जाने कितने एशियाई मुल्कों में सैकड़ों बरसों से हिंदुस्तानी व्यवसायी रह रहे हैं। उस दौर से जब वे घोड़ों और ऊंटों पर माल लाद कर ले जाते थे। हिंदी ही नहीं, दुनिया की सर्वाधिक बोली जानेवाली भाषाएं इसीलिए बढ़ीं क्योंकि उन्हें कारोबार ने आगे बढ़ाया, किसी सरकार ने नहीं।

विंध्याचल-सतपुड़ा के आर-पार दक्षिणापथ और उत्तरापथ के बीच सब तरफ या तो हवा बेरोक-टोक पहुंचती थी या हिंदी। रूस में अस्त्राखान नाम का शहर है, जहां सदियों पहले से भारतीय व्यापारी बसे हुए हैं। अब पूरी तरह से स्थानीय हो चुके हैं। ईसा से भी कई सदी पहले सुदूर मिस्र में भारतीय व्यापारियों की बस्तियां थीं।

भारत जैसा भाषाई विविधता वाला दूसरा कोई देश दुनिया में नहीं है। नयी शिक्षा नीति में इस बात की व्यवस्था हो कि कोई छात्र हिंदी व अंग्रेजी के अलावा किसी अन्य क्षेत्रीय भाषा को सीख सके। अंग्रेजी केवल मेट्रो शहरों में अथवा कार्यस्थल पर सहारा बनती है, बाकी जगह तो लोग स्थानीय भाषा ही बोलते हैं। ऐसे में हिंदी मददगार बनती है। कोई मलयाली अगर पंजाबी सीखे या कोई मराठी अगर बांग्ला सीखे, तो ऐसा रोजगार के नजरिये से ही लाभप्रद नहीं होगा, बल्कि इसके अनेक सकारात्मक आयाम होंगे।

देश की विविधरंगी संस्कृति को समझने में मदद मिलेगी। कहा जा सकता है कि ऐच्छिक तौर पर तो आज भी ऐसा किया जा सकता है। मगर इसका दूसरा पहलू भी है। किसी स्कूल में अगर चार-पांच भाषाएं सीखने-सिखाने की व्यवस्था हो, तो बच्चे अपने आप प्रेरित होंगे। गैर-हिंदीभाषी राज्यों में हिंदी सिखाने की योजना, चाहे ऐच्छिक हो या अनिवार्य, लागू करने की कतई आवश्यकता नहीं है।

सरकार अगर वहां हिंदी का अतिरिक्त प्रचार-प्रसार करना चाहती है, तो किसलिए! वैसे भी यह काम एनजीओ के जरिये करवाया जा सकता है। इससे ज्यादा जरूरी है कि हिंदीभाषी क्षेत्रों में तमिल, तेलुगू, कन्नड़, मलयालम, मराठी, गुजराती, बांग्ला, असमिया, पंजाबी, कश्मीरी, नेपाली, गोरखाली जैसी भाषाएं सिखाने की व्यवस्था की जाए। प्रारंभिक स्तर पर चारों द्रविड़ भाषाओं समेत मराठी, गुजराती व बांग्ला की व्यवस्था तो जिला स्तर के किसी एक स्कूल में ऐच्छिक आधार पर की ही जानी चाहिए।

हमारा मानना है कि आज हिंदी का रथ अपनी स्वयं की रफ्तार से दौड़ रहा है। हिंदी चाहे तमिल, तेलुगू, मराठी, अवधी, राजस्थानी व अन्य भाषाओं की तुलना में बहुत प्राचीन नहीं है, उसमें शास्त्रीय साहित्य नहीं है, जो पुरातनता के पैमानों पर उसे शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिलाता हो, मगर उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम तक देश और दुनिया को जोड़नेवाली संपर्क भाषा के तौर पर जो बढ़त हिंदी को हासिल है, वह उसके अल्पवय को देखते हुए अभूतपूर्व है। इसका महत्व इस बात में है कि हिंदी व अन्य भाषाओं का प्राकृतों से अंतरसंबंध है।

जहां तक संस्कृत का सवाल है, द्रविड़ भाषाओं में संस्कृत के रूप-भेद पहचानना कठिन होता है। मगर उनमें संस्कृत की मौजूदगी साबित करती है कि भाषाई आधार पर जो आर्य-द्रविड़ द्वंद्व दर्शाया जाता है, वह नकली है। संस्कृत और द्रविड़ भाषाओं में अटूट अंतरसंबंध रहा है। भारतीय भाषाओं में एकता का जो सूत्र संस्कृत के जरिये नजर आता है, वही सूत्र आज हिंदी के रूप में समूचे भारतीय भाषिक परिदृश्य को जोड़े हुए है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस. खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर,एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, **फोन:9619102478 /9821238815** email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस. खान**, समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सिटी हलचल

मुंबई, मंगलवार
19 अक्टूबर, 2021

अहमद नेता उनकी पत्नी नाज गोलंदाज द्वारा बनाया गया पत्रकारों को मोहरा

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। गत 4 अक्टूबर सोमवार को अमृत नगर के नाके पर धरने प्रदर्शन पर बैठे अहमद नेता और उनकी पत्नी नाज गोलंदाज कुछ मांगों को लेकर विरोधी पक्ष नेता अशरफ शानू पठान पर काफी गंभीर आरोप लगाते हुए कहा गया। कि शानू पठान कैसे बना रोडपति से करोड़पति उनके द्वारा बनाए गए। डायमंड अपार्टमेंट की पार्किंग पर अवैध रूप से बनाया गया। डायमंड शादी का हॉल और दारुल फलाह इमारत के सामने बनने जा रही अवैध तरीके से दुकानों को नहीं बनाने की मांग की थी। अन्य कई मांगों को लेकर यह धरना प्रदर्शन पत्रकार सुल्तान रिजवी यासर बगदादी और अनवर भाई के नेतृत्व में किया गया। इसी का परिणाम स्वरूप यह देखा गया की पत्रकार अनवर शेख का घर मनपा प्रशासन द्वारा ध्वस्त करवा दिया गया और दारूल गार्डन पर न्यूज कवर करने गए पत्रकार रिजवी पर एनसीपी के समर्थकों ने हमला कर दिया। जिससे पूरा मुंब्रा का माहौल गरमा गया। पत्रकार पर हमला को लेकर एनसीपी पर सवालिया निशान खड़े हो गए। मुंब्रा शहर के बिगड़ते माहौल को सामान्य करने के लिए कलवा मुंब्रा के विधायक तथा राज्य के गृहनिर्माण मंत्री जितेंद्र अवार्ड ने मामला सुलझाने के लिए अहमद नेता को अपने बंगले पर बुलाया जैसी ही अहमद नेता बंगले पर गए जो खुलासा पत्रकार सुल्तान रजा रिजवी

यासर बगदादी अनवर भाई ने किया सुनकर पत्रकारों के होश उड़ गए उन्होंने बताया कि जैसी हम बंगले पर गए। सबसे पहला सवाल अहमद नेता ने यह कहा कि मेरा पैसा 6,50,000/- रुपए जो शानू पठान के ऊपर मेरे निकलते हैं। वह मुझे दिला दो यह सुनकर तीनों पत्रकारों के पैरों से जमीन निकल गई कि यह धरना प्रदर्शन जो भी किया जा रहा था। अहमद नेता और उनकी पत्नी नाज गोलंदाज द्वारा यह सब अपना पैसा निकालने के लिए कर रहे थे। इन दोनों पति पत्नी ने हम लोगों को मोहरों की तरह इस्तेमाल किया जो दीवार दारुल फलाह गार्डन की तोडवाना चाह रहे थे। दरअसल इन लोगों ने यह दीवार तोड़वाने की सुपारी दुकानदारों से बतौर मोटी रकम वसूली थी ऐसा यह तीनों पत्रकारों ने बताया जिसके कारण हम तीनों पत्रकारों पर मुंब्रा पुलिस द्वारा खंडानी का मामला दर्ज कर लिया गया है। आज हमने यह पत्रकार परिषद में अहमद नेता और उसकी पत्नी नाज गोलंदाज ने किस तरह से हम लोगों का इस्तेमाल कर अपना पैसा विरोधी पक्ष नेता शानू पठान से निकालने के लिए हम लोगों को अपनी साजिश का शिकार बनाया और यही नहीं इन्होंने हम तीनों पत्रकारों को मोहरा बनाया और साथ में मुंब्रा की जनता के साथ में बहुत बड़ा खिलवाड़ किया है। षड्यंत्र किया है अपना पैसा निकालने के लिए यह लोगों ने हम लोगों के साथ धोखा किया है। तो हम मुंब्रा शहर की जनता से अनुरोध करते हैं। ऐसे षड्यंत्रकारी अहमद नेता और उसकी पत्नी नाज गोलंदाज से सावधान रहें और हमने इनके बहकावे में आकर विरोधी पक्ष नेता शानू पठान के बारे में जज्बाती होकर अपशब्द कहे थे। उसके लिए मैंने उनसे पहले ही माफी मांग ली है। और मुझ पर यह आरोप लग रहा है कि मैंने पैसा लेकर सेटलमेंट कर लिया है तो ऐसी कोई बात नहीं है यह सब अफवाह है और कुछ नहीं।

मुंब्रा में बढ़ते हुए नशे का जिम्मेदार एनसीपी

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। 15 लाख की जनसंख्या वाला क्षेत्र मुंब्रा में नशे का सेवन करने वाले कम उम्र के युवक इस नशे की दलदल में इस तरह से घस चुके हैं। अपनी जिंदगी तो बर्बाद कर रहे हैं। साथ-साथ अपने परिवार की जिंदगी भी नरक बना रहे हैं। मुंब्रा परिसर में आए दिन कोई न कोई गली में नशा करने के बाद मामूली बात पर खूनी वारदात को अंजाम दिया जा रहा है। इस शहर में हो रहे नशे के बारे में हमारी बात कांग्रेस के पूर्व महापौर नईम खान से हुई। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि सन 2009 से पहले नशे का कारोबार कहां था। बस चरस या गांजा का सेवन हुआ करता था। पर आज तो चरस गांजा एमडी बटन कोरेक्स ऐसी कई एक नशीली पदार्थों का आज मुंब्रा में साम्राज्य कायम हो गया है। आज जो भी नशे का कारोबार धड़ल्ले से मुंब्रा शहर की हर गली में चल रहा है। उसका जिम्मेदार सत्ताधारी पार्टी एनसीपी है। जब से एनसीपी ने मुंब्रा में प्रवेश किया है। उसके बाद से ही धड़ल्ले से नशे का कारोबार हो रहा है। पत्रकार द्वारा ईद मिलादुन्नबी के रूपरेखा के बारे में पूछे गए सवाल पर उन्होंने सबसे पहले ईद मिलादुन्नबी की मुंब्रा की जनता को मुबारकबाद पेश की है। और जनता से अपील की है के जुलूस में डीजे वगैरा ना बजाएं शांति के साथ जुलूस जनाब मोहिन मियां के नेतृत्व में मुंबई कॉलोनी परिसर से निकाला जाएगा और दरगाह शरीफ हजरत ख्वाजा सैयद फखरुद्दीन शाह बाबा रहमतुल्लाह अलेह के पास संपन्न किया जाएगा। समाजवादी पार्टी के अबू आसिम आजमी पर पत्रकार द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहां समाजवादी पार्टी के बहुत बड़े लीडर हैं उन पर टिप्पणी करते हुए कहा चुनाव के वक्त ही आसिम भाई नजर आते हैं। बाकी साडे 4 साल तो नजर ही नहीं आते मेने देखा है एक ही ऑफिस का 15 बार उद्घाटन करने बार-बार आते है। अबू आसिम द्वारा दिए गए। एक बयान में उन्होंने कहा था कि मुसलमान इलाकों में से हिंदू को चुनाव का टिकट देना चाहिए। इस पर अपनी प्रक्रिया देते हुए नईम खान ने कहा कि आसिम भाई आप दिवा से खड़े हो जाओ लाल बाग से खड़े हो जाओ थह कोलाबा से खड़े हो जाओ अगर आप जीत के आ जाते हो तो मुझे बड़ा गर्व होगा तभी हम कहेंगे कि मुसलमानों के इलाकों में हिंदू को टिकट देना चाहिए और उन्होंने टोरेंट के मुद्दे पर भी बात करते हुए कहा। यह टोरेंट कंपनी भी एनसीपी की देन है। एनसीपी के डोरेमोन ने कहा था। टोरेंट कंपनी नहीं आएगी और आएगी तो मेरी लाश पर से गुजारना पड़ेगा क्या हुआ फिर भी टोरेंट को अपने फायदे के लिए लेकर आ गए ना और खामियाजा मुंब्रा वासियों को भुगतना पड़ रहा है। फिलहाल आगामी मनपा चुनाव बहुत करीब है अब देखना यह है टोरेंट के मुद्दों को लेकर कॉन्ग्रेस का पल्ला कितना भारी रहता है या टोरेंट के मुद्दे से एनसीपी को करारी झटका लगने वाला है यह तो समय ही बताएगा उन्होंने वैक्सीन कैंप का भी आयोजन अपने बंगले पर 20 अक्टूबर को किया है यह वैक्सीन 18 वर्ष के ऊपर के लोगों को दी जाएगी। वैक्सीन सुबह 11:00 बजे से 3:00 बजे तक दिया जाएगा मुंब्रा की जनता से अपील है कि ज्यादा से ज्यादा लोग इसका लाभ उठाएं क्योंकि यह बिल्कुल मुफ्त में दिया जा रहा है।

(पृष्ठ 1 का शेष भाग)

ईडी और सीबीआई नहीं गिरा सकती सरकार....

रविवार को पुणे के पिंपरी-चिंचवड़ में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि राज्य की जनता का सुख-दुख जानने के लिए उन्हें जहां जाना पड़ेगा, वे जाएंगे। बढ़ती महंगाई को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि देश में पेट्रोल और डीजल के दाम रोज बढ़ रहे हैं. विश्व में तेल की कीमतों में वृद्धि होने से देश में भी वृद्धि हुई है। अब भले ही दुनिया में कीमतों में कमी आई हो, लेकिन भारत में तेल की कीमत कम नहीं हुई है। पूर्व सांसद किरीट सोमैया ने अजीत पवार और उनकी बहनों के घर पर आयकर विभाग द्वारा की गई छापेमारी के बाद कहा था कि अजीत पवार की बहन और देवर जरंडेश्वर शुगर फैक्ट्री सहित अजीत पवार की 70 बेनामी संपत्तियों में भागीदार हैं। सुले ने कहा कि क्या अजीत पवार ने महाराष्ट्र की 12.5 करोड़ जनता को या अपनी बहनों को धोखा दिया है। भाजपा नेता किरीट सोमैया द्वारा उप मुख्यमंत्री अजित पवार की बहनों पर लगाए गए बेनामी संपत्ति रखने के आरोप का राकांपा सांसद सुप्रिया सुले ने जवाब दिया है. सुले ने कहा कि पिछले 50 साल से हमारे ऊपर आरोप लग रहे हैं, जिनके हम आदी हो चुके हैं. विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि इसके पहले भी राकांपा नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए जा चुके हैं, उस दौरान दावा किया गया था कि हमारे खिलाफ ट्रक भरकर सबूत थे। आखिर वो सबूत कहां गए ? उस झूठे आरोप को महाराष्ट्र ने देखा है।

यूपी में बेमौसम बारिश का कहर छह लोगों की मौत बेमौसम बारिश से...

यूपी में साठ मिली बारिश रिकॉर्ड की गई है। वहीं बेमौसम बारिश से उत्तर प्रदेश में अन्नदाताओं की खेतों में कटी पड़ी धान ओर बाजरे की फसल पानी मैं डूबकर बर्बाद हो गयी। जिन किसानों की धान की फसल खेतों में कटी पड़ी थी। उन किसानों के सामने सबसे ज्यादा समस्या खड़ी हो गयी। फसल पानी मे डूब जाने से दाना गलकर सड़ जायेगा। जिससे किसानों को उत्तर प्रदेश में करोड़ों रुपए का आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। किसानों ने जून से अक्तूबर तक दिन रात कड़ी मेहनत कर खेतों में धान बाजरा समेत फसलों को तैयार किया था। वर्तमान में किसानों के खेतों में धान बाजरे की फसल कटी पड़ी हैं बेमौसम बारिश से धान झड़ाई का काम रुक गया है। किसान झड़ी हुई फसल खेतों पर ही छोड़कर घर पहुंच गए हैं। किसान बारिश रुकने का इन्तेजार करते रहे लेकिन बेमौसम बारिश नही रुकी और अन्नदाताओं का करोड़ो रुपए का नुकसान हो गया। आर्थिक नुकसान के साथ साथ किसानों के आगे रोजी रोटी का भी संकट पैदा हो गया है।

किरण गोसावी पर ठाणे में दर्ज हुआ एक और केस ....

किरण पर एनसीपी के नेता और मंत्री नवाब मलिक ने भी गंभीर आरोप लगाए थे। सोमवार को ही पुणे पुलिस ने गोसावी के पार्टनर और करीबी शेर बानो कुरैशी को अरेस्ट किया है। कुरैशी और गोसावी पर पुणे के रहने वाले चिन्मय देशमुख ने साल 2018 में धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए फारासखाना पुलिस स्टेशन में केस दर्ज करवाया था। आरोप के मुताबिक, दोनों ने मलेशिया में नौकरी दिलाने के नाम पर चिन्मय से 3 लाख रुपये लिए थे। किरण गोसावी फिलहाल फरार है। उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया गया है। चिन्मय देशमुख ने बताया कि मलेशिया में कुछ दिन रहने के बाद वह मलेशिया से किसी तरह वापस पुणे लौटने में कामयाब रहा था, लेकिन वापसी के बाद जब उसने किरण गोसावी से पैसे मांगे तो किरण ने उसे जान से मारने की धमकी दी थी। उसके बाद चिन्मय ने किरण के खिलाफ केस दर्ज करवाया, लेकिन तब से वह फरार चल रहा था। अब किरण गोसावी शाहरुख खान के बेटे आर्यन के साथ सेल्फी लेकर पुलिस की नजर में आ गया है।

रुलाने लगा प्याज, टमाटर हुआ लाल, अनाज की कीमतों में भी उबार्ल...

इसका असर अनाजों पर भी पड़ा है खाकर दलहनों पर. लोग सब्जियों के विकल्प के तौर पर जब दालों को तरजीह देते हैं तो मांग बढ़ने से कीमत बढ़ती है, लेकिन जानकारों का कहना है कि डीजल की कीमतें बढ़ने से ट्रांसपोर्टरों ने भाड़ा बढ़ा दिया है, जिसका असर अनाज की कीमतों पर पड़ा है। गौरतलब हो कि मानसून ने जाते जाते जो बरसात की उसका सबसे ज्यादा असर प्याज की कीमतों पर पड़ा है। अन्य राज्यों में महाराष्ट्र के पुराने प्याज की मांग तेजी से बढ़ रही है। इससे बाजार में प्याज का भाव भी तेजी से बढ़ रहा है। प्याज व्यापारियों के मुताबिक नए प्याज को तैयार होने में अभी थोड़ा वक्त लगेगा। इसलिए प्याज का भाव अभी और बढ़ेगा। नए प्याज की फसल नवंबर में तैयार होकर सामने आएगी। ऐसे में दिवाली तक प्याज का भाव इसी तरह बढ़ता रहेगा। महाराष्ट्र और कर्नाटक में प्याज अधिक मात्रा में होता है। नवी मुंबई के एपीएमसी मार्केट में 100 से 130 गाड़ियों में प्याज मंगवाए जाते हैं।

ईद मिलाद उन-नबी? जानें पैगंबर मोहम्मद साहब के जन्मदिन की तिथि इसका इतिहास और महत्व

इस्लाम धर्म की मान्यताओं के अनुसार, 571 ई. में इस्लाम के तीसरे महीने यानी रबी उल अव्वल की 12वीं तारीख को पैगंबर मोहम्मद साहब का जन्म हुआ था। वहीं कहा यह भी जाता है कि इसी रबी उल अव्वल की 12वीं तारीख को उनका इंतकाल भी हुआ था। मक्का में जन्में पैगंबर मोहम्मद साहब का पूरा नाम मोहम्मद इब्न अब्दुल्लाह इब्न अब्दुल मत्तलिब था, जबकि उनके पिता का नाम अब्दुल्लाह और मां का नाम बीबी अमिना था। सुन्नी मुस्लिम जहां ईद-ए-मिलाद का पर्व रबी के 12वें दिन मनाते हैं, वहीं शिया समाज के लोग इस पर्व को रबी के 17वें दिन मनाते हैं।

इस्लामिक कैलेंडर के तीसरे महीने रबी उल अव्वल की शुरूआत के साथ ही दुनिया भर के मुसलमान ईद मिलाद उन नबी यानी ईद-ए-मिलाद या मावलिद की तैयारियों में जुट जाते हैं। मुस्लिम समुदाय के एक बड़े वर्ग का मानना है कि इस्लाम धर्म के अंतिम पैगंबर मोहम्मद का जन्म 12वीं रबी उल अव्वल को हुआ, इसलिए सूफी या बरेलवी विचारधारा का पालन करने वाले मुसलमान पैगंबर मोहम्मद के जन्मदिन को चिह्नित करने के लिए ईद मिलाद उन नबी का पालन करते हैं। दुनिया भर के अधिकांश मुसलमान इस्लाम धर्म के पैगंबर मोहम्मद साहब का जन्मदिन धूमधाम से मनाते हैं। इस्लाम धर्म की मान्यता के अनुसार, पैगंबर मोहम्मद साहब को खुद अल्लाह ने फरिश्ते जिब्रईल के जरिए कुरान का संदेश दिया था। पैगंबर मोहम्मद के जन्मदिन समारोह को लेकर मुस्लिम समुदाय के कई अलग-अलग वर्गों का मानना है कि जन्मदिन समारोह का इस्लामी संस्कृति में कोई स्थान नहीं है, जबकि भारत में उनके जन्मदिन को मनाने की परंपरा का व्यापक रूप से पालन किया जाता है। ईद मिलाद उन नबी या मावलिद समारोह का इतिहास मुसलमानों की पीढ़ी के अनुयायियों के युग में वापस जाता है, जो पैगंबर मोहम्मद के साथियों का अनुसरण करते थे। उनमें से कुछ 12वीं रबी उल अव्वल पर पैगंबर मोहम्मद के जन्मदिन को चिह्नित करने के लिए कविता और गीतों का पाठ करेंगे। सदियों से यह प्रथा उत्सव के अवसर में बदल गई। ईद मिलाद उन नबी का महत्व इसलिए है, क्योंकि यह दिन पैगंबर मोहम्मद के जन्मदिन के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। सऊदी अरब में दिखा (Rabi Ul Awwal) का चांद, 18 अक्टूबर को मनाई जाएगी Eid-E-Milad जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, ईद मिलाद उन नबी 12वीं रबी उल अव्वल को मनाई जाती है। ईद मिलाद उन नबी इस साल 19 अक्टूबर को मनाया जाएगा। इस कार्यक्रम को अधिकांश मुस्लिम बहुल देशों में राष्ट्रीय अवकाश के रूप में मान्यता प्राप्त है। भारत जैसे बड़ी मुस्लिम आबादी वाले कुछ गैर-मुस्लिम बहुसंख्यक देश भी इसे सार्वजनिक अवकाश के रूप में मान्यता देते हैं।

भाईचारे के साथ मनायें जश्ने ईद मिलादुन्नबी का पर्व दिलशाद खान

मुम्बई। जश्ने ईद मिलादुन्नबी का पर्व हिंदुस्तान सहित दुनिया में उन्नीस अक्टूबर दिन मंगलवार को धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा जश्ने ईद मिलादुन्नबी का दिन मजहब-ए-इस्लाम के अनुयायियों को शान्ति सौहार्द और भाईचारे का पैगाम देता है इस त्यौहार में शामिल होने के बाद मजहब-ए-इस्लाम के मानने वालों को एक दूसरे के प्रति ईर्ष्या या कटुता को भुला देना चाहिय यह विचार राष्ट्रीय समाचार पत्र हिन्दी दैनिक मुम्बई हलचल के सम्पादक जनाब दिलशाद खान जी ने मीडिया से प्रेसवार्ता में व्यक्त किये जनाब दिलशाद खान जी ने कहा जश्ने ईद मिलादुन्नबी का त्यौहार मुस्लिम समुदाय के लोग पैगम्बर-ए-इस्लाम के यौमे पैदाईश के रूप में मनाते हैं पैगम्बर-ए-इस्लाम ने अपने अनुयायियों को हिंसा ईर्ष्या से दूर रहने के साथ गरीबो यतीमों असहाय लोगों की सेवा करना सिखाया है यह त्यौहार मजहब-ए-इस्लाम के मानने वालों को इस तरह मनाना चाहिय की किसी दूसरे को किसी प्रकार की कोई ठेस ना पहुँचे और इतना ही नही आपसी भाईचारे को कायम रखते हुए हिंसा अराजकता से दूर रहकर सभी को एक साथ लेकर चलने का पैगाम देता है उन्होने कहा मजहब-ए-इस्लाम को मानने वाला व्यक्ति कभी अशान्ति अराजकता के रास्ते को नही जा सकता और जो लोग अराजकता या दूसरे को ठेस पहुँचाने का काम करते हैं वह कभी मजहब-ए-इस्लाम के मानने वाले नही हो सकते राष्ट्रीय समाचार पत्र दैनिक मुम्बई हलचल के सम्पादक दिलशाद खान जी ने गंगा जमुनी तहजीब को कायम रखते हुए मुस्लिम समुदाय से शासन व प्रशासन के नियमों का पालन करते हुए जश्ने ईद मिलादुन्नबी का त्यौहार मनाने की अपील की है इसके साथ ही मजहब-ए-इस्लाम के अनुयायियों को जश्ने ईद मिलादुन्नबी की मुबारकबाद दी है।

नवरात्रि के शुभ अवसर पर सिटी स्कूल द्वारा डांस एंड म्यूजिक का आयोजन

मुंबई। सिटी स्कूल ऑफ डांस एंड म्यूजिक के द्वारा,नवरात्रि के शुभ अवसर पर रविवार को लखनऊ के होटल बेबियन इन मे मां जगदम्बा को याद करते हुए डांडिया रात्रि का सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन, कोविड-19 गाइडलाइन का पालन करते हुए किया गया है। कार्यक्रम की मेजबानी आर जे राहुल सिंह ने की। मुख्य अतिथि के रूप में लखनऊ की महापौर श्रीमती संयुक्ता भाटिया जी, रेडिकल ग्रुप के संस्थापक श्रीमान अनुराग श्रीवास्तव जी, वरिष्ठ अथिति लखनऊ व्यापार व्यापार मंडल के महासचिव श्रीमान राहुल गुप्ता जी, एवं अन्य अतिथिगण उपस्थित रहे कार्यक्रम का शुभारंभ माँ अम्बे जी की आरती के साथ हुआ। कार्यक्रम की आयोजक दिव्या शुक्ला ने बताया कि डांडिया सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हर वर्ष नवरात्रि में किया जाता है जिसमे लोग दैनिक जीवन से अलग हो कर गुजराती डांडिया गरबा संस्कृति का आनंद लेते हैं। कार्यक्रम का आरम्भ सायंकाल 7 बजे से हुआ जिसमें आगंतुकों द्वारा गरबा नृत्य के रस का पान किया गया। इसके साथ ही रैप वॉक, नवरात्रि पर प्रश्नोत्तरी, और अनेकों मनोहर दृश्य प्रस्तुत किये गये डी जे गानो पर भी जमकर नृत्य का आनंद लिया गया। तथा लोगो ने एक दूसरे के साथ तस्वीरें लेकर पलों को यादगार बनाया।

उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र द्वारा आयोजित कवि सम्मेलन में

उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र द्वारा आयोजित कवि सम्मेलन में मुख्य अतिथि रही फूलपुर लोकसभा संसदीय क्षेत्र की लोकप्रिय सांसद आदरणीया केसरी देवी पटेल जी जिनके कर कमलो से मुझे तुलसी जी का पौधा भेंट स्वरूप देकर सम्मानित किया गया, उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के निदेशक आदरणीय डॉ. सुरेश शर्मा जी का हार्दिक आभार इस कवि सम्मेलन की अध्यक्षता वरिष्ठ कवि दादा लालजी सिंह देहाती जी एवं संचालन प्रख्यात नवगीतकार दादा यश मालवीय जी ने किया।

स्काई इण्डिया फाउण्डेशन

स्काई इंडिया फॉउंडेशन द्वारा जागरूकता कैम्प

मुंबई। स्काई इंडिया फॉउंडेशन द्वारा सर्वाइकल कैंसर एवं कोरोना से बचाव के लिए immuntiy बूस्टर होमियोपैथी दवा का वितरण किया गया जिसमें करीब 50 महिलाओं ने हिस्सा लिया। इस जागरूकता प्रोग्राम में संस्था की अध्यक्ष अलका तिवारी, होम्योपैथी सरकारी डॉक्टर जितेंद्र कुमार सिन्हा, अरविंद आर्य, इरशाद के साथ सभी पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया और लोगो को जागरूक कर सेनेटरी पैड एवं आर्सेनिक एल्बम दवा का वितरण किया गया।

चौरी चौरा शताब्दी वर्ष का महोत्सव प्रदेश में बहुत गर्व और हर्षोल्लास से मनाया जा रहा है। १०० वर्ष पहले चौरी चौरा में हुए इस प्रतिकार को इतिहास के पन्नो में मात्र कांड नाम से छुपा दिया गया। उक्त बातें गोरखपुर सांसद और प्रख्यात अभिनेता श्री रवि किशन शुक्ल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही। वो इन दिनों फिल्म ₹1922 प्रतिकार चौरी चौरा₹ की शूटिंग गोरखपुर में कर रहे हैं। आज कुसम्ही जंगल के बुढ़िया माई स्थान के पास क्रांतिकारियों के साथ अंग्रेजी हुकूमत से छुपने छुपाने का सीन शूट हुआ। इस फिल्म को वे अपने अभिनय से जीवंत बना रहे हैं। वे इस फिल्म में मुख्य किरदार ₹भगवान अहीर₹ की भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा की यशस्वी प्रधानमंत्री जी और माननीय मुख्यमंत्री जी का इस विषय को लेकर विशेष उत्साह है। संघ और भाजपा संगठन से भी वे आशीर्वाद प्राप्त विषय है। इसी क्रम में फिल्म ₹1922 प्रतिकार चौरी चौरा₹ का निर्माण गोरखपुर की धरती और यहां के कलाकारों के लिए सुनहरा अवसर भी है और गौरवान्वित अनुभूति भी। निर्देशक अभिक भानु ने बताया की माननीय सांसद जी ने इस विषय पर क्रांतिकारियों की सच्ची श्रद्धांजलि देने हेतु कुछ भी पारिश्रमिक लेने से इंकार कर दिया है। सांसद जी ने इसको अपना सौभाग्य और इस धरती के प्रति कर्तव्य भी बताया। प्रस्तुतकर्ता रवि शंकर खरे जी ने बताया की कैसे इस विषय को गहन शोध और विमर्श के बाद अंजाम दिया जा रहा है। सिनेमा और ठरऊ, इटअ जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के कलाकार मिल कर इस निर्माण को उत्कृष्ट बना रहे हैं। अनिल नागरथ, अशोक बाँथिया, अजय मलकानी, अनीता सहगल, सौरभ पाण्डेय, विजय त्रिवेदी, मधुर, पवन, प्रह्लाद खरे, सुमित, अतुल पांडे और अन्य प्रतिष्ठित कलाकार शामिल हैं जो कल का भविष्य हैं। कमेरा मनोज गुप्ता, आर्ट डायरेक्शन यशवंत देशमुख और शंभू का है। रूपसज्जा हितेश और राधेश्याम का है। गोरखपुर और पूर्वांचल के आसपास से लगभग 300 कलाकार और निर्माण टीम के सदस्य इस फिल्म के हिस्सा हैं। रोजगार के साथ साथ इस क्षेत्र में फिल्म उद्योग को बढ़ावा देने के लिए अहम कड़ी है। क्रिएटिव प्रोड्यूसर एवं मीडिया हेड गौरव शंकर खरे ने बताया की कैसे उन्होंने केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार तथा अन्य राजनीतिक और सांस्कृतिक संगठनों के बीच में इस विषय और फिल्म निर्माण के उद्देश्य को प्रस्तुत किया और काफी प्रोत्साहन मिला है। इस फिल्म की शूटिंग अभी लगभग 1 महीना गोरखपुर और आसपास के क्षेत्र में और चलेगी। सभी मीडिया बंधुओं का आभार और धन्यवाद भी किया गया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बकरी का दूध बना हिंदू-मुस्लिम साम्प्रदायिक सौहार्द का दूत

फोटो जर्नलिस्ट /अजीज भुट्टा

बीकानेर। वरिष्ठ चिकित्सकों व घरेलू उपचार करने वाले वृद्धजनों द्वारा डेंगू के बढ़ते प्रभाव से बीमार हुए लोगों के लिए बकरी का दूध ईलाज के लिए कारगर बताने के कारण लोग हर परिस्थिति में अपने परिजनों के उत्तम स्वास्थ्य के लिए बकरी का दूध मुहैय्या करवा रहे है। बकरी का दूध हिन्दू मुस्लिम साम्प्रदायिक सौहार्द का भी दूत बन गया।शहर में डेंगू बुखार ने बड़ी आबादी को घेर लिया है। पी.बी.एम. अस्पताल, जिला अस्पताल के साथ सरकारी व निजी अस्पतालों में बच्चों से लेकर बुढ्ढें तक रोगी ईलाज डेंगू बुखार से पीड़ित है। अस्पतालों के वार्ड रोगियों से भरें हुए है। लोग रोगियों व उनके परिजनों को रिश्तेदार, मेल मुलाकात वाले लोग तथा आस पड़ौसी एलोपैथिक, आयुर्वेदिक व होम्योपैथिक, यूनानी के साथ घरेलू उपचार के तरीके बताकर जल्दी स्वस्थ होने की कामना कर रहे है। इनमें पपीते के पत्ते का रस व बकरी का दूध, नारियल पानी, कीवी का उपयोग करने , इसके अलावा पैरों में घूटने तक नारियल का तेल लगाने सहित अनेक तरह की सलाह दी जाती है।लोगों को सर्वाधिक कठिनाई पपीते का पत्ता व बकरी का दूध संकलन के लिए लोगों को बड़ी कठिनाई का सामना करना पड़ता है। लोग बीमार की तीमिरदारी के लिए पपीते के पत्ते व बकरी के दूध के लिए बीछवाल कृषि विज्ञान केन्द्र, जयपुर रोड, श्रीगंगानगर रोड, जोधपुर रोड की नर्सरियों में व फार्म हाउस तथा व्यक्तिगत घरों में पपीते के पेड़ के पत्ते ला रहे है। कड़वा पपीते के पत्ते को बीमार एक घूंट में ही पी पाता है।

पी.बी.एम.अस्पताल की शिशु रोग विभाग की आचार्य डॉ.सारिका स्वामी व श्याम अग्रवाल, डॉ.अबरार का सुझाव है कि पपीते के पत्तों की विभिन्न दवाइयां मेडिकल की दुकानों में भी मिलती है। उसे रोगी स्वाद के साथ ग्रहण कर स्वास्थ लाभ ले सकता है। इम्यूनिटी बढ़ाता है बकरी का दूध चिकित्सकों व बड़े बुजुर्गों का कहना है कि बकरी का दूध इम्यूनिटी बढ़ता है तथा डेंगू के रोगी की प्लेट रेट को बढ़ाता है। इस धारणा को लेकर जिस घर-परिवार में डेंगू बुखार से लोग बीमार है, उनके इलाज के लिए बकरी का दूध सुलभ करवाने के लिए मिलने वाले मुस्लिम परिवारों से बकरी का दूध ले रहे है ।वर्तमान में पहले जितना बकरी पालन मुस्लिम मोहल्लों में नहीं हो रहा है लेकिन कई परिवार हवेलियों में भी बकरी का पालन परम्परानुसार कर रहे है। इन परिवारों के पास जाति, सम्प्रदाय व ऊंच नीच का भेद किए बिना लोग दूध मांगने पहुंच रहे है। चूनगरों का मोहल्ला, भिष्तियों का मोहल्ला व मोहल्ला व्यापारियान सहित विभिन्न मुस्लिम मोहल्लों में बिना शुल्क रोगी के इलाज के लिए दूध सुलभ करवा रहे है। कुछ लोग दूध के बदले मुस्लिम भाई-बहनों को रुपए का ऑफर भी करते हैं परंतु किसी के इलाज के लिए काम आ रहे दूध का शुल्क किसी तरह से स्वीकार नहीं कर रहे हैं बीकानेर शहर में ऐसे कई उदाहरण देखने को मिलते हैं कि एक दूसरे से काम पड़ता है तो रक्तदान भी करते हैं ।परंतु कई दूध विक्रेताओं ने लघु महामारी के रूप में फैले डेंगू बुखार के दौरान मुनाफा कमा रहे है। बकरी के दूध को 150 से 200 रुपए किलो तक बेच रहे है।

जिला प्रशासन, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग व नगर निगम अपने स्तर पर लोगों में जागृति के लिए प्रयास कर रहा है।

पत्रकार वेल्फेअर असोसिएशन नई दिल्ली के महाराष्ट्र राज्य अध्यक्ष पद पर संजय कुमार कोटेचा एवं महाराष्ट्र राज्य महासचिव श्रीदेवी पाटील पिंकी की नियुक्ति

रिपोर्टर /सैय्यद अलताफ हुसैन

महाराष्ट्र,नई दिल्ली। पत्रकार ओके हित मे कार्य करने वाली भारत की पत्रकार वेल्फेअर असोसिएशन संस्था नई दिल्ली के महाराष्ट्र राज्य अध्यक्ष के रूप मे संजय कुमार कोटेचा एवम महासचिव श्रीदेवी पाटील इनको चुना गया इस संस्था के संस्थापक अध्यक्ष जितेंद्र बच्चन इनके ओर से नियुक्तीपत्र एवम पहचान पत्र दिया गया इस संस्थान के मुख्य उद्देश पत्रकार परिवार के लिये शिक्षा एवम चिकित्सा अन्य सुविधा उपलब्ध कराना पत्रकारिता की गरिमा अक्षय रखना मीडिया के नैतिक पतन को रोकना पत्रकार हित शिक्षा एवम प्रशिक्षण संस्थां की स्थापना करणा शोषित पीडित पत्रकार ओके हर

संभव मदत करना पत्रकारों की एकता अखंडता के कल्याण के लिए हर संभव कार्य करणा उत्कृष्ट पत्रकारिता के लिए सम्मान समारोह समयलन व संगोष्ठी का आयोजन करना आपातकाल की स्थितीने राहत सामग्री उपलब्ध कराना

इन उद्दिष्ट को लेकर संस्था भारत वर्ष अलग अलग हिसो मे संघटन बढाने का कार्य कर रही है इस संस्था के महाराष्ट्र राज्य अध्यक्ष पद पर संजय कुमार कोटेचा एवम महासचिव के पद पर श्रीदेवी पाटील इनको चुना गया।

पति का दूसरी महिला के साथ था अफेयर

पत्नी ने पति को मौत के घाट उतारा

रिपोर्टर /सैय्यद अलताफ हुसैन

ब्राजील। पति के अफेयर की बात जानकर एक महिला इतनी आगबबूला हुई कि खौफनाक अपराध को अंजाम दे डाला। उसने पहले पति को मौत के घाट उतारा फिर उसकी बॉडी के छोटे-छोटे टुकड़े करके ठिकाने लगा दिया।सूटकेस में शव के टुकड़े ले जाती महिला उळळश कैमरे में कैद हुई थी, जिसके आधार पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। मामला सामने आने के बाद हर कोई हैरान है कि मासूम सी दिखने वाली महिला

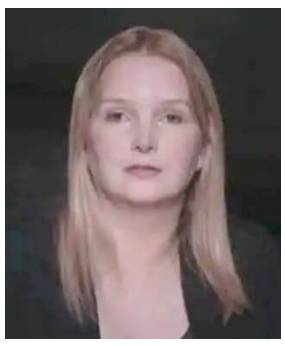

इतनी क्रूर कैसे हो सकती है।बदले की चाहत में बन बैठी खूनी ह्यडेली स्टारह्व की खबर के अनुसार, ब्राजील में रहने वाली एलीज मात्सुनागा को अपने पति मार्कोस मात्सुनागा के दूसरी महिला से संबंध के बारे में पता चल गया था। पति के धोखा से एलीज के सिर पर खून सवार हो गया। वो किसी भी सूरत में अपने पति से बदला लेना चाहती थी और इसी चाहत में वह खूनी बन बैठी, उसने घर में ही दिलदहलाने वाली खौफनाक वारदात को अंजाम दिया।

पहली बार यूपी से विदेश जाएगा केला

संवाददाता/अरमान उलहक

लखनऊ। किसान आन्दोलन को लेकर सुर्खियों में आये यूपी के लखीमपुर खीरी से सुखद खबर आई है जिससे अन्नदाताओं की आर्थिक स्तिथि बेहतर होगी उत्तर प्रदेश के लखीमपुर के किसानों को कृषि की वजह से बड़ी उपलब्धि मिलने वाली है उत्तर प्रदेश से पहली बार विदेश में केला निर्यात किया जा रहा है। इसकी पैदावार लखीमपुर के पलिया कलान क्षेत्र के किसानों ने की है। 40 मीट्रिक टन केले की पहली खेप ईरान के लिए 14 अक्टूबर को रवाना हुई है। इस उपलब्धि के बाद लखीमपुर खीरी का नाम भी देश के महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश जैसे प्रदेश के किसानों के साथ दर्ज हो जाएगा जो उन्नत तकनीक से केले की पैदावार

लखीमपुर के किसानों के नाम होगी बड़ी उपलब्धि

करते हैं। पहली बार यूपी से होगा निर्यात यूपी के तराई क्षेत्र की जलवायु की वजह से वैसे तो केले की पैदावार इस क्षेत्र में होती है, लेकिन लखीमपुर खीरी के किसानों के नाम यह बड़ी उपलब्धि दर्ज होगी। क्षेत्र के मेहनतकश किसानों को अपने केले की फसल को निर्यात का ऑर्डर मिलना बड़ी बात है। पलिया कलान क्षेत्र के किसानों की केले की फसल का 40 मीट्रिक टन केला ईरान निर्यात किया जा रहा है। इसके लिए उच्चस्तरीय तकनीक और मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट को माध्यम बनाया जाएगा। अब तक केवल महाराष्ट्र,आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों से केला निर्यात किया जाता था और यूपी के किसान अभी तक अंतर्राष्ट्रीय बाजार से दूर थे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

एम्स विशेषज्ञों का दावा

कोरोना मरीजों को सीटी स्कैन से कैंसर का खतरा नहीं

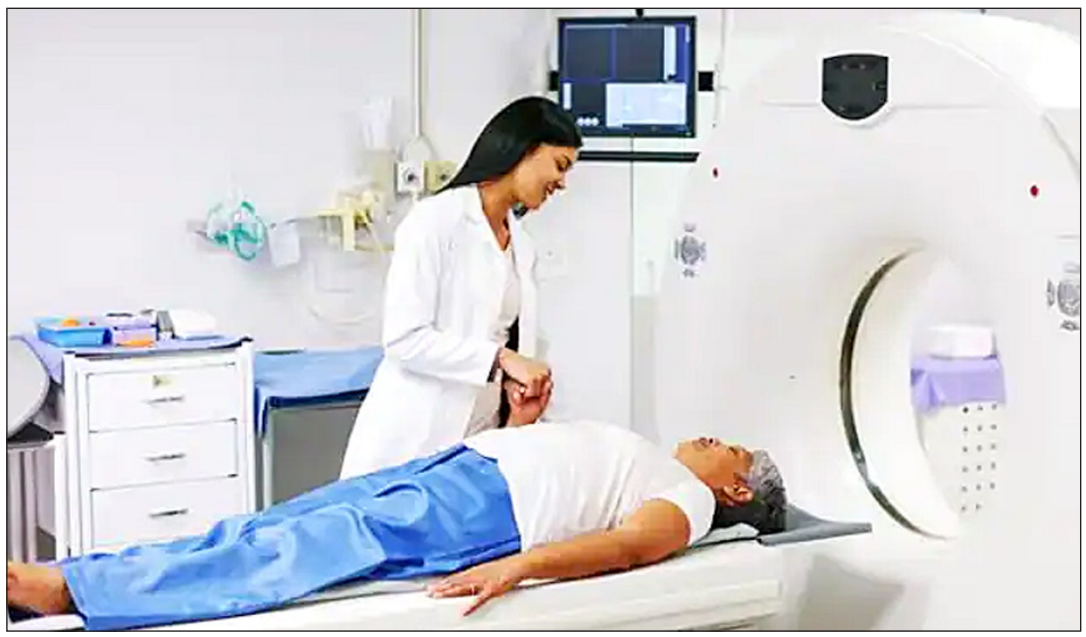

कोरोना वायरस ने शरीर में कितना संक्रमण फैला दिया है इस बात को लेकर लोगों में कई तरह की दुविधाएं हैं। कई मरीज कोविड-19 की पुष्टि के लिए सीटी स्कैन और कई तरह की जांचे करवाने अस्पताल पहुंचते हैं। कुछ दिन पहले चिकित्सा विशेषज्ञों ने सीटी स्कैन के खतरनाक होने का अंदेशा जताया था। लेकिन अब, चिकित्सा विशेषज्ञों ने कहा है कि सीटी स्कैन से कोविड-19 रोगियों में कैंसर का खतरा नहीं बढ़ रहा है, लेकिन स्कैन नहीं कराने से उपचार में देरी हो सकती है और अधिक नुकसान हो सकता है। पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (पीजीआईएमईआर) और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली के चिकित्सा विशेषज्ञों ने कहा है कि सीटी स्कैन से कोविड-19 रोगियों में कैंसर का खतरा नहीं बढ़ता है। वहीं अगर समय पर स्कैन नहीं कराया गया तो उपचार में देरी हो सकती है और अधिक नुकसान हो सकता है। अध्ययन के निष्कर्ष हाल ही में इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) की पत्रिका इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च में प्रकाशित हुए हैं। इस अध्ययन में पीजीआईएमईआर से डा. निधि प्रभाकर और एम्स नई दिल्ली से डा. आशु सेठ भल्ला शामिल हैं।

दूसरी लहर के दौरान छिड़ी थी बहस

महामारी की दूसरी लहर के दौरान, देश में सीटी स्कैन को लेकर एक नई बहस छिड़ गई थी। कहा जा रहा था कि सीटी स्कैन आनुवंशिक उत्परिवर्तन पैदा कर सकता है और कैंसर का कारण बन सकता है, क्योंकि इसमें आयनकारी एक्स-रे का उपयोग शामिल है जिसे खतरनाक विकिरण के रूप में वर्गीकृत किया गया है। अध्ययन में शामिल पीजीआईएमईआर के रेडियोलॉजिस्ट डॉ मंदीप गर्ग ने कहा कि हालांकि, हमने वर्तमान वैज्ञानिक साहित्य की समीक्षा की और निष्कर्ष निकाला कि यह सिद्धांत पूरी तरह से गलत है। उन्होंने कहा कि कैंसर के जोखिम के डर से सीटी स्कैन नहीं कराने से उपचार में देरी हो सकती है और अधिक नुकसान हो सकता है।

कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं मिला

डॉक्टरों के निष्कर्ष के अनुसार, 125 से अधिक वर्षों से एक्स-रे और लगभग 50 वर्षों से सीटी स्कैन का उपयोग करने के बावजूद, आज तक कोई निश्चित वैज्ञानिक प्रमाण नहीं मिला, जो यह साबित कर सके कि सीटी स्कैन से कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। आज टेक्नोलॉजी ने इतनी तरक्की कर ली है कि सीटी स्कैन मशीन में बेहद कम रेडिएशन होती हैं। हालांकि डॉक्टर भी लोगों को यही सलाह देते हैं कि यदि माइल्ड लक्षण हैं, तो सीटी स्कैन ना ही करवाएं लेकिन यदि लक्षण ज्यादा हैं, तो ही सीटी स्कैन करवाएं।

बाल झड़ने के कारण हो गए हैं पतले...

घना बनाने के लिए ये घरेलू नुस्खे कर सकते हैं आपकी मदद

इन दिनों हर कोई अपने झड़ते बालों के कारण परेशान है। घने, काले और शाइनी बाल हमेशा हर किसी का ध्यान आपकी ओर खींचने में मदद करते हैं। ऐसे में हर कोई इन्हें घना दिखाने के लिए तरह-तरह के शैम्पू और कंडीशनर का इस्तेमाल कर रहा है। पतले बालों के कारण किसी भी हेयरस्टाइल को बनाना बेहद मुश्किल हो जाता है। अगर आप भी अपने पतले बालों से छुटकारा पाना चाहते हैं, तो आप भी कुछ घरेलू नुस्खों को अपना सकते हैं। लेकिन सबसे पहले ये जानना जरूरी है कि आखिर बाल इतना क्यों झड़ रहे हैं। इसे पीछे कई सारे कारण हो सकते हैं। लेकिन उनमें से कुछ है तनाव, प्रदूषण, केमिकल आदि। बालों में वॉल्यूम लाने के लिए आप कई तरह के होममेड मास्क अपलाई कर सकते हैं।

एलोवेरा हेयर मास्क

एलोवेरा में एक्टिव मिनरल्स होते हैं, जो बालों को मजबूत बनाने में मदद करत हैं। साथ ही इसमें फैटी एसिड और एमिनों एसिड के साथ विटामिन ए, बी 12, सी और ई की भरपूर मात्रा होती हैइसे बनाने के लिए फ्रेश एलोवेरा पत्तियों में से जेल निकाल लें। फिर इसमें नारियल का दूध मिलाएं, अच्छे से मिक्स करें और अपने बालों पर लगाएं। इसे बालों में जड़ से सिरे तक लगाएं। कम से कम 30 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें फिर बालों को नॉर्मल पानी और माइल्डशैम्पू की मदद से साफ करें। ऐसा हफ्ते में 3 बार तीन हफ्ते तक कर सकते हैं।

आंवला हेयर मास्क

आंवला में विटामिन, मिनरल, अमीनो एसिड और फाइटोन्यूट्रिएंट्स होते हैं, जो पूरे स्कैल्प में ब्लड सकुर्लेशन को बढ़ाते हैं। इसे बनाने के लिए 2 कप गर्म पानी में आंवला पाउडर मिलाएं। 10 मिनट के लिए इसे छोड़ दें फिर उंगलियों की मदद से स्कैल्प पर लगाएं। इसे आधे घंटे तक लगा रहने दें। फिर नॉर्मल पानी और माइल्ड शैम्पू से धो लें। इसे हफ्ते में दो बार करें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

MAHA RERA NO.: P99000025618

Mariyam Heritage
Heritage Builders & Developers

WALIV'S LUXURIOUS PROJECT
WITH LIFESTYLE AMENITIES

Mariyam Heritage

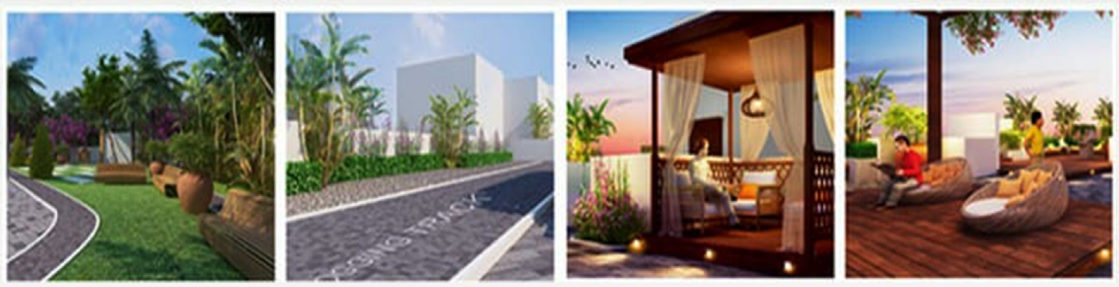

VASAI EAST

Strategic Location & Easy Accessibility

Hospitals :
Valwadevi Multispeciality - 800m
Metropolis Healthcare - 900m

Banks :
Abhyudaya Co-op Bank - 500m
Federal Bank - 600m

Schools :
Ludhani Vidyamandir - 700m
Fr. Angel School - 800m

Rastuarants :
Hotel Shalimar - 300m
Hotel Regency - 900m

Entertainments :
Carnival Cinema - 4.2km
Dream The Mall - 4.2km

Accessibility :
Vasai E Railway Station - 8 km
Highway NH8 - 1.6km

STARTING FROM
31.35 LACS*

THIS SCHEME ALSO AVAILABLE
DOWNPAYMENT 5%
NO EMI TILL POSSESSION*
APPROVED FROM ALL LEADING BANKS

VASAI (E)
FOR MORE DETAILS CONTACT +91 8291669848
SITE ADD : MARIYAM HERITAGE. NEXT TO SANIYA CITY. BEHIND SHALIMAR HOTEL. WALIV. VASAI ROAD (E)